



## करय शक्तिसमता एवं भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार

### प्रिलमिस के लिये:

करय शक्तिसमता , सकल घरेलू उत्पाद

### मेन्स के लिये:

करय शक्तिसमता सदिधांत का महत्त्व एवं वैश्विक तथा कषेत्रीय स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति

## चर्चा में क्यों?

'वशिव बैंक' ने 'अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम' (International Comparison Program- ICP) के तहत संदर्भ वर्ष 2017 के लिये नई 'करय शक्तिसमानताएँ' (Purchasing Power Parities-PPPs) जारी की हैं, जो वशिव की अर्थव्यवस्थाओं में जीवन की लागत के अंतर को समायोजित करती हैं।

## प्रमुख बडि:

- 'अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम' के वर्ष 2017 के इस चक्र में वशिव की 176 अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम, 'संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग' (UN Statistical Commission- UNSC) के दशिया-नरिदेशन में वशिव में डेटा संग्रह की सबसे बडी पहल है।

## करय शक्तिसमता :

- यह अंतर्राष्ट्रीय वनिमिय का एक सदिधांत है।
- इसका अर्थ कनिही दो देशों के बीच वस्तु या सेवा की कीमत में मौजूद अंतर से लिया जाता है।
- करय शक्तिसमता के आधार पर कसिी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का पता लगाया जा सकता है।
- करय शक्तिसमता के माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि दो देशों के बीच मुद्रा की करयशक्त में कतिना अंतर या फरि समता मौजूद है।
- करय शक्तिसमता द्वारा मुद्रा वनिमिय दर को तय किया जाता है।

## संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग:

- यह राष्ट्रीय आँकडों के वकिस को प्रोत्साहन देता है तथा उनको तुलना योग्य बनाता है।
- 20 अक्टूबर को वशिव सांख्यिकी दविस मनाया जाता है, इसकी शुरुआत वर्ष 2010 में हुई थी।
- इसकी घोषणा संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग द्वारा की गई थी। जसि पाँच वर्ष में एक बार मनाया जाता है।

## अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम का उद्देश्य:

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य वशिव की अर्थव्यवस्थाओं में करय शक्तिसमानताओं का उत्पादन करना है जो सभी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तुलना किये जाने के लिये, आर्थिक गतिविधियों के उपायों को रूपांतरित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- करय शक्तिसमानता के साथ-साथ, अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम, मूल्य स्तर सूचकांकों (Price Level Indices- PLI) एवं जीडीपी वय्य के अन्य कषेत्रीय तुलना योग्य समुच्चयों का भी उत्पादन करता है।

## मूल्य स्तर सूचकांक:

- मूल्य स्तर सूचकांक किसी अन्य देश के सापेक्ष दिये गए देश के मूल्य स्तर को वर्तमान नाम मात्र वनिमिय दर से कर्य शक्तिसमता (पीपीपी) को वभाजति करके व्यक्त करता है।
- यह संकेतक एक सूचकांक के रूप में मापा जाता है।
- वर्ष 1970 में 'अंतरराष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम' की शुरुआत के बाद से भारत लगभग सभी ICP चक्रों में शामिल हो चुका है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय भारत के लिये राष्ट्रीय कार्यान्वयन एजेंसी (NIA) है, जिससे 'राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम' गतिविधियों की योजना, समन्वय और कार्यान्वयन की ज़िम्मेदारी दी गई है।
- भारत को ICP के वर्ष 2017 चक्र के लिये ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ आईसीपी गवर्नगि बोर्ड का सह-अध्यक्ष बनने का गौरव भी हासिल होता रहा है।

## वश्वव्यापी स्थिति:

- सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product- GDP) के स्तर पर प्रति डॉलर के मुकाबले भारतीय रूपए की कर्य शक्तिसमानता वर्ष 2017 में 20.65 है जो वर्ष 2011 में 15.55 रही थी।
- भारतीय रूपए की अमेरिकी डॉलर के साथ वनिमिय दर समान वर्ष की इसी अवधि के 46.67 के तुलना में बढ़कर अब 65.12 पर है।
- इसके अनुसार 'बाज़ार वनिमिय दर' (Market Exchange Rate) की कर्य शक्तिसमानता का अनुपात-मूल्य स्तर सूचकांक (Price Level Index- PLI) का उपयोग भारत की अर्थव्यवस्था की कीमतों के स्तरों की तुलना करने के लिये किया जाता है जो वर्ष 2011 के 42.99 की तुलना में वर्ष 2017 में 47.55 है।

## वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति:

- वर्ष 2017 में, भारत द्वारा PPP के आधार पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी वैश्विक स्थितिको बनाए रखा गया है जो क्रमशः चीन (16.4 प्रतिशत) एवं अमेरिका (16.3 प्रतिशत) की तुलना में PPP के लहजाज से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 6.7 प्रतिशत (वैश्विक रूप से कुल 119,547 बलियन अमेरिकी डॉलर में से 8,051 बलियन अमेरिकी डॉलर) रहा।
- भारत वैश्विक वास्तविक एकल उपभोग एवं वैश्विक सकल पूंजी निर्माण में अपनी कर्य शक्तिसमता आधारति हसिसे के लहजाज से भी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

## एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्थिति:

- वर्ष 2017 में, भारत ने वशिव की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी क्षेत्रीय स्थिति बनाए रखी जो पीपीपी के लहजाज से क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 20.83 प्रतिशत (एशिया प्रशांत के कुल 232,344 बलियन हांगकांग डॉलर में से 48,395 हांगकांग डॉलर) था।
- वही चीन 50.76 प्रतिशत के साथ प्रथम तथा इंडोनेशिया 7.49 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

## एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति:

- भारत क्षेत्रीय वास्तविक एकल उपभोग एवं क्षेत्रीय सकल पूंजी निर्माण में अपने पीपीपी आधारति हसिसे के लहजाज से भी दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- भारतीय रूपए से हांगकांग डॉलर की वनिमिय दर इसी अवधि की तुलना में 6.00 % से बढ़कर 8.36 % हो गई है।
- वही भारत का मूल्य स्तर सूचकांक (Price Level Index-PLI) वर्ष 2011 के 71.00 की तुलना में घटकर वर्ष 2017 में 64.00 रहा है।
  - अगली ICP तुलना संदर्भ वर्ष 2021 के लिये की जानी है।

## स्रोत: पीआईबी

